web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

Social Justice Union
Govt. Registered

दैनिक न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 14 नवंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 46

महत्वपूर्ण एवं खास

62 वर्षीय बूढ़े ने कर दिया बड़ा कांड, 35 लोगों को सुलाया मौत की नींद; 43 घायल

झुहाई । चीन के दक्षिणी शहर झुहाई में एक दिल दहला देने वाली घटना में एक कार भीड़ में घुस गई जिससे 35 लोगों की मौत हो गई और 43 अन्य घायल हो गए। यह हादसा सोमवार शाम को एक खेल केंद्र के बाहर हुआ। चीन के सरकारी टेलीविजन सीसीटीवी ने बताया कि हमले का आरोपी 62 साल का एक तलाकशुदा व्यक्ति है। उसने जानबूझकर भीड़ में कार घुसा दी। घटना के बाद उसने खुद को चाकू मारने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे मौके पर ही काबू कर लिया। घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह हमला था या कोई दुर्घटना। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

सीईटी पास बेरोजगारों को 9 हजार का मासिक मानदेय देगी सरकार, विधानसभा में बोले राज्यपाल

चंडीगढ़ (आरएनएस)। राष्ट्रीय गान के साथ हरियाणा विधानसभा में सदन की कार्यवाही शुरू हो गई है। सदन में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने अभिभाषण दिया। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि सीईटी पास करने वाले ऐसे युवा जिन्हें एक साल तक नौकरी नहीं मिली, उन्हें अगले दो साल तक 9 हजार मासिक मानदेय दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि विधायक के तौर पर चुनकर आए सभी सदस्य अपनी जिम्मेदारी का सही निर्वहन करेंगे। सदन में 40 सदस्य पहली बार जीतकर आए हैं, मैं उनका स्वागत करता हूं। इस बार विधानसभा में 13 महिलाएं जीतकर आई हैं। इसके बाद राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होगी। इस बार के सत्र में कोई प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं होगा। सत्र से पहले नवनिर्वाचित विधायकों को विधायी कामकाज की बारीकियां बताने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि सैनी सरकार के गठन के बाद पहला विधानसभा सत्र है। ऐसे में सभी की निगाहें राज्यपाल के अभिभाषण पर रहेगी।

मथुरा में रिफाइनरी में धमाका, 10 लोग घायल

मथुरा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया है। यहां रिफाइनरी में ब्लास्ट हो गया, जिसकी आवाज करीब एक किमी दूर तक सुनी गई। धमाके के बाद आग लगने से करीब 10 कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए हैं। सभी को इलाज के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार रात करीब आठ बजे शटडाउन फाइनल के बाद प्लांट शुरू करने के दौरान यह हादसा हुआ। एबीयू प्लांट में फर्नेस फटने से धमाके के साथ आग लग गई। आग में झुलसने करीब 10 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए हायर सेंटर पहुंचाया गया है। जानकारी के अनुसार, एक महीने से अधिक समय के शटडाउन के बाद प्लांट शुरू होते ही रिफाइनरी प्लांट में बड़ा ब्लास्ट हो गया। सब कुछ फाइनल होने के बाद इसे फिर से चालू किया गया था। संभावना है कि इसमें लीकेज रह गया हो सकता है। फर्नेस फटने से ब्लास्ट हो गया। जिसके बाद प्लांट में आग लग गई। बताया जा रहा है कि घायलों में प्रोडक्शन मैनेजर भी शामिल है। सूचना मिलने पर पुलिस और फायर बिग्रेड मौके पर पहुंच गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चलती कार में लगी आग : ड्राइवर ने धुआं उठता देख कार से कूदकर बचाई जान, छावनी फ्लाईओवर पर हुआ हादसा

कोटा (आरएनएस)। कोटा में बुधवार सुबह छावनी फ्लाईओवर पर एक चलती कार में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में हडक़ंप मच गया। गनीमत यह रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पंद्रह मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास के अनुसार, जेस्ट डीजल कार के चालक कुनाल मिश्रा, एरोड्राम से कोटड़ी की तरफ जा रहे थे। रास्ते में अचानक कार के बोनट से धुआं उठता दिखा, जिसे देखकर कुनाल ने फौरन कार को रोका और बाहर निकल आए। देखते ही देखते कार में आग की लपटें तेज हो गईं। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया।

महाकुंभ 2025 : भारत के जवानों संग इजरायल, अमेरिका और फ्रांस के दिग्गज करेंगे गंगा आरती

प्रयागराज । आरएनएस

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को महाकुंभ की नव्यता, दिव्यता और भव्यता का अहसास कराने की तैयारी में जुटी है। वहीं दुनिया के विशिष्ट लोग भी महाकुंभ में सम्मिलित होने और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने के लिए लालायित हैं।

महाकुंभ के दौरान पहली बार इजरायल, अमेरिका और फ्रांस समेत तमाम देशों के दिग्गज गंगा आरती में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। उनके साथ सेना के जवान भी शामिल होंगे।

हरिहर गंगा आरती समिति रामघाट प्रयागराज के अध्यक्ष सुरेश चंद्रा ने बताया कि काशी के तर्ज पर प्रयागराज में वर्ष 1997 में गंगा आरती की शुरुआत की गई। जिसके बाद से लेकर आज तक यह क्रम अनवरत जारी है। इसी के तहत, महाकुंभ के दौरान सीएम योगी के साथ ही देश के कोने-कोने से आ रहे विशिष्ट संतों का सम्मान करने की योजना बनाई गई है। भारत के सभी प्रमुख तीर्थ स्थलों के संतों का एक साथ महाकुंभ के महा आयोजन में शामिल होना अविस्मरणीय होगा।

भारत के सबसे बड़े राज्य के मुखिया योगी आदित्यनाथ के प्रति विश्व के ताकतवर देशों के लोगों में क्रेज लगातार बढ़ रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत के जवानों के साथ इजरायल, अमेरिका, फ्रांस, वियतनाम, इटली, कनाडा और म्यांमार के नामी लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने भारत आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी विदेशी मेहमान यहां की प्रसिद्ध गंगा आरती में शामिल होंगे। उनके साथ भारतीय सेना के बड़े अधिकारी भी रहेंगे। ये सभी हरिहर गंगा आरती समिति के मेहमान होंगे।

महाकुंभ के दौरान अयोध्या के प्रसिद्ध साधु संत महाकुंभ को यादगार बनाने के लिए पौधरोपण भी करेंगे। राम वैदेही मंदिर के प्रमुख संत स्वामी दिलीप दास त्यागी ने बताया कि अयोध्या के संतों ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए एक लाख ग्यारह हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया है, जिसे महाकुंभ के दौरान अंतिम रूप दिया जाएगा। स्वामी दिलीप दास जी के साथ अयोध्या के कई और भी प्रमुख संत महाकुंभ को अविस्मरणीय बनाने की तैयारी में हैं।

कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, कुपवाड़ा में भी जारी है ऑपरेशन; घेरे में आतंकी

श्रीनगर । आरएनएस

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में बदीगाम के पास सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की खबर सामने आई है। इससे पहले, उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एलओसी के पास तीन से चार आतंकियों को घेर लिया गया था।

कुपवाड़ा के नागमर्ग में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। यह क्षेत्र बांदीपोरा जिले और एलओसी से सटा हुआ है। अक्सर घुसपैठिए इस क्षेत्र का इस्तेमाल बांडीपोरा, सोपोर, गांदरबल और श्रीनगर के रास्ते दक्षिण कश्मीर जाने के लिए करते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, नागमर्ग में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर सुरक्षा बलों ने तडक़े एक अभियान चलाया। आतंकी घने जंगलों में छिपे हुए हैं और सुरक्षा बलों ने उन्हें घेर लिया है। कुपवाड़ा और बांदीपोरा दोनों तरफ से सुरक्षाबलों के दस्ते भेजे गए हैं।

घेराबंदी में फंसकर आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों तरफ से लगभग एक घंटे तक रुक-रुककर गोलीबारी हुई।

लेबनान में इजरायली हवाई हमलों का सिलसिला जारी, 32 लोगों की मौत

बेरूत

लेबनान में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई और कुछ अन्य घायल हो गए। वहीं हिजबुल्लाह ने कई इजरायली ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया। लेबनानी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, दो अलग-अलग इजरायली एयर स्ट्राइक में बाल्चमई शहर में आठ लोग मारे गए और दो घायल हो गए, जबकि चौफ जिले के जौन गांव में 12 लोगों की मौत हुई और आठ घायल हो गए।

दक्षिणी तेफाहता क्षेत्र में एक छापेमारी में एक ही परिवार के पांच लोग मारे गए, जबकि टायर जिले के मंसूरी गांव में एक अन्य छापेमारी में एक पैरामेडिक की मौत हो गई और एक नागरिक सुरक्षा सदस्य घायल हो गया। इसके अलावा, हरमेल में एक व्यक्ति की मौत हुई जबकि चार घायल हो गए। टायर के पास बुर्ज अल-शेमाली में एक व्यक्ति की मौत हो गई। टायर सिटी और रूमीन गांव में दो और मौतें हुईं। इस बीच, हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने मंगलवार को इजरायली शहर शेख दानुन के उत्तर में इजरायली सेना की 146वीं डिवीजन के एक रसद अड्डे को कई ड्रोन से निशाना बनाया।

हिजबुल्लाह ने इजरायली वायु सेना के हाहोट्रिम बेस पर भी हमला करने का दावा किया। इसमें एक इंजन फैक्ट्री है और यह इजरायली शहर हाइफा के दक्षिण में स्थित है। इसके अलावा, लेबनानी ग्रुप ने दक्षिणी तेल अवीव में तेल नोफ एयरबेस, एकर शहर के उत्तर में श्रागा बेस और उत्तरी इजरायल में एक बस्ती नेवे जिव में बंकरों सहित और भी इजरायली ठिकानों पर हमले किए। इस्लामिक रेजिस्टेंस लड़ाकों ने सीमा क्षेत्र के पश्चिमी क्षेत्र में एक इजरायली हर्मीस 450 ड्रोन को भी खदेड़ दिया।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, कहा-आरोपी होने या दोषी ठहराए जाने पर भी घर तोड़ना सही नहीं

नई दिल्ली । आरएनएस

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर बुधवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि यह कानून का उल्लंघन है। किसी मामले पर आरोपी होने या दोषी ठहराए जाने पर भी घर तोडऩा सही नहीं है। सर्वोच्च अदालत का ये आदेश किसी एक राज्य के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है। कोर्ट ने कहा है कि किसी का घर सिर्फ इस आधार पर नहीं तोड़ा जा सकता कि वह किसी आपराधिक मामले में दोषी या आरोपी है। हमारा आदेश है कि ऐसे में प्राधिकार कानून को ताक पर रखकर बुलडोजर एक्शन जैसी कार्रवाई नहीं कर सकते। कोर्ट ने कहा है कि मौलिक अधिकारों को आगे बढ़ाने और वैधानिक अधिकारों को साकार करने के लिए कार्यपालिका को निर्देश जारी किए जा सकते हैं।

कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार क्या न्यायिक कार्य कर सकती है और राज्य मुख्य कार्यों को करने में न्यायपालिका की जगह नहीं ले सकता है। अगर राज्य इसे ध्वस्त करता है तो यह पूरी तरह से अन्यायपूर्ण होगा। हमारे पास आए मामलों में यह स्पष्ट है कि प्राधिकारों ने कानून को ताक पर रखकर बुलडोजर एक्शन किया। जस्टिस बी.आर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये फैसला सुनाया। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने 17 सितंबर को बुलडोजर एक्शन पर रोक लगा दी थी। कई राज्यों में बुलडोजर एक्शन के खिलाफ याचिका दाखिल की गई थीं।

फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह स्पष्ट है कि शक्ति के मनमाने प्रयोग की अनुमति नहीं दी जा सकती। जब नागरिक ने कानून तोड़ा है तो अदालत ने राज्य पर कानून और व्यवस्था बनाए रखने और उन्हें गैरकानूनी कार्रवाई से बचाने का दायित्व डाला है। इसका पालन करने में विफलता जनता के विश्वास को कमजोर कर सकती है और अराजकता को जन्म दे सकती है।

अदालत ने कहा कि यदि कार्यपालिका मनमाने तरीके से किसी व्यक्ति की संपत्ति को केवल इस आधार पर ध्वस्त कर देती है कि उस व्यक्ति पर अपराध का आरोप है तो यह शक्तियों के सेपरेशन का उल्लंघन है। कानून को अपने हाथ में लेने वाले सार्वजनिक अधिकारियों को मनमानी के लिए जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। इस प्रकार यह अवैध है। हमने बाध्यकारी दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं जिनका ऐसे मामलों में राज्य के अधिकारियों द्वारा पालन किया जाएगा।

चंडीगढ़ में जल्द बनेगा हरियाणा का नया विधानसभा भवन, पंजाब से विरोध होना शुरू

चंडीगढ़ । आरएनएस

हरियाणा के लिए चंडीगढ़ में नए विधानसभा भवन के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। चंडीगढ़ हरियाणा और पंजाब की संयुक्त राजधानी है, लेकिन इसका खुद का अस्तित्व केंद्र शासित प्रदेश के रूप में हैं। ऐसे में विधानसभा भवन के निर्माण को लिए प्रस्ताव की फाइल केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के पास अटकी हुई थी।

पिछले कुछ दिनों से इसमें कुछ संवेदनशील जोन को लेकर रुकावटें पैदा हो रही थीं, जो अब दूर हो चुकी हैं। हरियाणा के लिए नए विधानसभा निर्माण के लिए सबसे पहले पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने प्रयास शुरू किए थे। चंडीगढ़ प्रशासन ने इसके लिए जमीन देने के प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी दे दी थी। लेकिन, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की मंजूरी को लेकर बात अटकी हुई थी। इसके बाद हरियाणा सरकार ने प्रस्ताव में कुछ बदलाव के साथ इसे नए सिरे से केंद्र सरकार के पास भेजा था। इस पर अब केंद्र सरकार की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई है।

प्रशासन के मुताबिक, जो जमीन हरियाणा की ओर से पंचकूला एरिया की मिली है, वह चंडीगढ़ के आईटी पार्क के 123 एकड़ जमीन के साथ लगती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विधानसभा की नई बिल्डिंग के लिए चंडीगढ़ में जमीन देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। विधानसभा की नई इमारत के लिए चंडीगढ़ की ओर से रेलवे स्टेशन से आईटी पार्क को जाने वाली सडक़ के पास 10 एकड़ जमीन दी जा रही है। मनसा देवी कांप्लेक्स के पास 12 एकड़ जमीन है, जो पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील जोन में आती है। केंद्र सरकार की मंजूरी के साथ ही नए विधानसभा भवन के निर्माण की सभी रुकावटें दूर हो चुकी हैं। अब प्रशासन को आसानी से यह जमीन ट्रांसफर की जा सकती है। हरियाणा सरकार पहले जमीन के लिए 550 करोड़ रुपये देने के लिए तैयार थी। अधिसूचना जारी होने पर पूर्व विधानसभा स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया है।

हरियाणा को अलग विधानसभा के लिये चंडीगढ़ में जगह देना पंजाब के अधिकारों का हनन: धामी

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा के लिये अलग से जमीन देने के केंद्र सरकार के फैसले को पंजाब के अधिकारों पर सीधा हमला करार देते हुए कहा कि सरकार का यह रवैया पंजाब और पंजाबियों के खिलाफ है। एडवोकेट धामी ने बुधवार को कहा कि चंडीगढ़ की स्थापना पंजाब के दर्जनों गांवों के अस्तित्व को खत्म करके हुई है, जिसके कारण इस शहर पर केवल पंजाब का ही अधिकार है। केंद्र सरकार द्वारा पंजाब के हकों और हितों की अनदेखी कर अच्छा नहीं किया जा रहा है। एडवोकेट धामी ने कहा कि केंद्र सरकार शुरू से ही मंशा पंजाब विरोधी रही है। कभी पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ से जुड़े लोकतांत्रिक अधिकारों को खत्म करने की बात की जाती है तो कभी चंडीगढ़ में काम करने वाले कर्मचारियों पर केंद्र सरकार के नियम लागू करने का फैसला किया जाता है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पर सिर्फ पंजाब का हक था, हक है और हक रहेगा। उन्होंने कहा कि हालांकि इस समय इस 10 एकड़ जमीन के बदले हरियाणा द्वारा पंचकुला में 12 एकड़ जमीन देने की बात चल रही है, लेकिन पंजाबियों को धोखे में रखने का एक रास्ता है।

बड़ा हादसा: पैसेंजर कोच नदी में गिरा, 16 लोगों की मौत- आठ अभी भी लापता

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के उत्तरी गिलगित-बाल्टिस्तान (जीबी) क्षेत्र में एक पैसेंजर कोच के नदी में गिरने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। प्रवक्ता फ़ैज़ उल्लाह फराक ने बताया कि डायमर जिले के थालिची इलाके में 26 लोगों को ले जा रही एक पैसेंजर कोच नदी में गिर गया।

प्रवक्ता के अनुसार, स्थानीय लोग और बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने दो लोगों की जान बचाने में कामयाबी हासिल की। प्रवक्ता ने बताया, बचाव दल ने 16 शवों और दो घायलों को बाहर निकाल लिया है। इसके अलावा अभी भी आठ लोग लापता हैं।

अधिकारी ने बताया कि इस कोच के जरिए शादी के मेहमानों जीबी क्षेत्र के अस्तोर इलाके से देश के पूर्वी चकवाल जिले जा रही थी, जब यह हादसा हुआ। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ़ अली जऱदारी ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया और पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। साथ ही अधिकारियों को लापता लोगों की खोज के लिए पूरी कोशिश करने का निर्देश दिया।

गोरखपुर में योगी सरकार बना रही है राज्य का पहला आयुष विश्वविद्यालय

गोरखपुर । आरएनएस

सिटी ऑफ नॉलेज के रूप में ख्याति अर्जित कर रहे गोरखपुर में प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य इस माह के अंत तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। महायोगी गुरु गोरखनाथ के नाम पर बने इस विश्वविद्यालय में आयुष से जुड़े सभी चिकित्सा पद्धतियों पर पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ आज के दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप यूनिक कोर्स भी चलाए जाएंगे।

इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आयुष विभाग के अफसर देश के अन्य राज्यों में चलाए जा रहे आयुष पाठ्यक्रमों के तुलनात्मक अध्ययन में जुटे हैं, ताकि यहां चलाए जाने वाले और नए कोर्स की ड्राफ्टिंग की जा सके। फिलहाल पीएचडी समेत दर्जनभर पाठ्यक्रमों को चलाने की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

भटहट के पिपरी में 52 एकड़ क्षेत्रफल में बन रहे महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का शिलान्यास 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। आयुष विश्वविद्यालय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक है। शिलान्यास के बाद वह यहां आकर कई बार निर्माण कार्य का जायजा ले चुके हैं। अब इसका निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। फिनिशिंग से संबंधित जो कुछ कार्य शेष हैं, उसके भी 30 नवंबर 2024 तक पूर्ण हो जाने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि आयुष विश्वविद्यालय के अस्तित्व में आने से पहले आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्धा की चिकित्सा पद्धति, जिन्हें समन्वित रूप में आयुष कहा जाता है, के लिए अलग-अलग संस्थाएं रही हैं। सत्र 2021-22 से प्रदेश के सभी राजकीय और निजी आयुष कॉलेजों का नियमन अब आयुष विश्वविद्यालय से ही होता है। वर्तमान सत्र 2024-25 में प्रदेश के 97 आयुष शिक्षण (आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी) के कॉलेज/संस्थान इस विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं। इस सत्र में इन सभी कॉलेजों में कुल मिलाकर स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के करीब सात हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह बताते हैं कि स्नातक और परास्नातक के साथ मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप समयानुकूल कई और रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। पाठ्यक्रमों को लेकर आयुष विश्वविद्यालय ने जो आगामी कार्ययोजना बनाई है, उसमें पीएचडी, बीएससी नर्सिंग आयुर्वेद, बी फार्मा आयुर्वेद, बी फार्मा होम्योपैथ, बी फार्मा यूनानी, पंचकर्म असिस्टेंट डिप्लोमा, पंचकर्म थेरेपिस्ट डिप्लोमा, विदेशी छात्रों के लिए डिप्लोमा, क्षारसूत्र डिप्लोमा, अग्निकर्म डिप्लोमा, उत्तरवस्ति डिप्लोमा और योग नेचुरोपैथी डिप्लोमा शामिल है। इसके अलावा कुछ सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू किए जाएंगे।

आयुष विश्वविद्यालय में आयुष ओपीडी का शुभारंभ 15 फरवरी 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। तब से प्रतिदिन यहां आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी की ओपीडी में औसतन 300 मरीज परामर्श लेते हैं। ओपीडी शुभारंभ के बाद अब तक करीब एक लाख आयुष चिकित्सकों से परामर्श लाभ ले चुके हैं। अब जल्द ही यहां आयुष अस्पताल शुरू होने से आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथ योग, प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति आदि से उपचार की बेहतरीन सुविधा भी उपलब्ध होने लगेगी।

आयुष चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने से आयुष हेल्थ टूरिज्म में रोजगार की संभावनाएं भी सृजित होंगी। इस पर गंभीरता से काम किया गया तो प्रदेश के इस पहले आयुष विश्वविद्यालय के आसपास के गांवों के लोगों को रोजगार के किसी न किसी स्वरूप से जोड़ा जा सकता है। आयुष विश्वविद्यालय के पूर्णत: क्रियाशील होने से किसानों की खुशहाली और नौजवानों के लिए नौकरी-रोजगार का मार्ग भी प्रशस्त होगा। लोग आसपास उगने वाली जड़ी बूटियों का संग्रह कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगे। किसानों को औषधीय खेती से ज्यादा फायदा मिलेगा। आयुष विश्वविद्यालय व्यापक पैमाने पर रोजगार और सकारात्मक परिवर्तन का कारक बन सकता है।